Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

2. (Signature) __________________________

   (Name) ____________________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.____________________________

(In words)

Test Booklet No.

D-1009

Time : **2 1/2** hours] **PAPER-III** [Maximum Marks : **200**

SOCIAL WORK

Number of Pages in this Booklet : **40** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

SOCIAL WORK
समाजकार्य

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I
खण्ड – I

Note : This section contains **five (5)** questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about **thirty (30)** words and carries **five (5)** marks.

(5 × 5 = 25 Marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Inspite of the relatively satisfactory performance in some of the macroeconomic variables, post-reform period witnessed slow rate of reduction in poverty, low quality of employment growth, increase in rural-urban disparities, inequalities across social groups, and regional disparities. Agriculture growth was low in the last ten years. Farmer suicides are more evident now than before. Although there has been some progress in education, the rate of growth in health indicators (e.g., infant mortality) was lower in the post-reform period as compared to pre-reform period.

In the first few years of this decade, there was a feeling that India has achieved some progress. It was, however, realized that the progress was only in some indicators such as growth in services, IT and communication revolutions, balance of payments, foreign exchange reserves, booming stock market, etc. On the other hand, rural India and social sector have not been bettered. Social exclusion is taking place in terms of regions, social and marginal groups, women, minorities and children.

There was an increasing feeling that only few sections of the population such as rich and middle class particularly in urban areas, corporate sector, foreign institutional investors, IT sector have benefitted from the economic reforms. Fortunately, these issues of social exclusion are being discussed by politicians, bureaucracy, policymakers and civil society. The present programmes of the government also stressed on, among other things, the need for focus on agriculture, rural development, employment and social sector. There is some sort of consensus now that growth should be shared by all sections of the society rather than limiting to few categories of population. This is important to reduce poverty and various types of inequalities in the economy and society.

There is complementarity between growth and equity. Economic growth can create opportunities for people. On the other hand equity is important for its own sake and for raising economic growth. However, one has to distinguish between populism and inclusive growth. There have been many populistic measures which have not reached the intended beneficiaries. Here we refer to inclusive growth in a much wider sense of equitable development. Also, the delivery systems are in bad shape all over the country. There is a need to shift focus of reforms by concentrating more on institutions for efficient delivery of services to all sections of population.

कुछ समष्टि आर्थिक चरों में, तुलनात्मक रूप से संतोषजनक निष्पादन के बावजूद, सुधार-उत्तर काल में, निर्धनता में गिरावट की धीमी दर, रोजगार वृद्धि की निम्न गुणात्मकता, ग्रामीण-नगरीय विषमताओं में वृद्धि, सामाजिक वर्गों के बीच असमानताएँ और क्षेत्रीय विषमताएँ देखने को मिलती हैं । पिछले दस वर्षों में कृषि सम्बन्धी अभिवृद्धि निम्न थी । किसानों द्वारा आत्म-हत्याएँ पहले की अपेक्षा अब ज्यादा घटित होती हैं । यद्यपि शिक्षा में कुछ प्रगति हुई है, स्वास्थ्य सम्बन्धी सूचकों (जैसे, बाल मृत्यु दर) में वृद्धि की दर सुधार-पूर्व काल की तुलना में सुधार-उत्तर काल में निम्न थी ।

इस दशक के प्रथम कुछ वर्षों में, यह भावना व्याप्त थी कि भारत ने कुछ प्रगति की है । तथापि, यह अनुभव किया गया कि प्रगति सिर्फ कुछ सूचकों जैसे कि सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी और संचार क्रान्तियों, भुगतान संतुलन, विदेशी विनिमय रिज़र्व, स्टॉक बाजार की तेजी, इत्यादि में हो रही है । इसके दूसरी ओर, ग्रामीण भारत और सामाजिक क्षेत्र बेहतर नहीं हुए हैं । क्षेत्रों, सामाजिक और सीमान्त समूहों, स्त्रियों, अल्प संख्यकों, और बच्चों के सम्बन्ध में सामाजिक पृथकता उत्पन्न हो रही है ।

यह ज्यादा से ज्यादा महसूस किया गया कि जनसंख्या के सिर्फ कुछ ही वर्गों जैसे कि धनिक और मध्यम वर्ग, विशेष रूप से नगरीय क्षेत्रों में, कॉरपोरेट क्षेत्र, विदेशी संस्थानिक निवेशक, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र ही आर्थिक सुधारों से लाभान्वित हुए हैं । सौभाग्यवश, समाज पृथकता के इन मुद्दों पर अब राजनीतिज्ञों, नौकरशाहों, नीति निर्माताओं और नागरिक समुदायों द्वारा चर्चा की जा रही है । सरकार के वर्तमान कार्यक्रमों पर भी बल दिया गया है, जिनमें से कुछ हैं – कृषि परकेन्द्रीकरण, ग्रामीण विकास, रोजगार और सामाजिक क्षेत्र । अब एक तरह से कुछ सर्व सहमति है कि संवृद्धि का लाभ समाज के सभी वर्गों में बंटना चाहिए बजाय इसके कि इसे जनसंख्या के कुछ वर्गों तक सीमित किया जाए । यह, अर्थव्यवस्था और समाज से गरीबी और विभिन्न प्रकार की असमानताओं को कम करने के लिए महत्त्वपूर्ण है ।

अभिवृद्धि और समानता के बीच पूरकता है । आर्थिक संवृद्धि लोगों के लिए अवसर सृजित कर सकती है । दूसरी ओर, समानता अपने खुद के लिए एवं आर्थिक संवृद्धि को बढ़ाने के लिए महत्त्वपूर्ण है । तथापि, जनवाद और समावेशी संवृद्धि के बीच अन्तर करना चाहिए । बहुत से जनवादी कार्रवाईयाँ हैं जो अभीष्ट हिताधिकारियों तक नहीं पहुँची हैं । यहाँ हम समावेशी अभिवृद्धि की बात समतापूर्ण वितरण के ज्यादा व्यापक अर्थ में कर रहे हैं । और यह भी है कि सुपुर्दगी (डिलीवरी) व्यवस्था देश भर में बुरी अवस्था में है । सुधारों के केन्द्रण को बदलने की आवश्यकता है, और जनसंख्या के समस्त वर्गों को सेवाओं की दक्ष सुपुर्दगी के लिए संस्थाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की जरूरत है ।

1. When did the economic reforms begin in India ? According to the author, what are the merits and demerits of post reform period in India ?
भारत में आर्थिक सुधार कब प्रारम्भ हुए ? लेखक के अनुसार, भारत में सुधार-उत्तर काल के गुण एवं अवगुण क्या हैं ?

2. ‘Economic development need not necessarily lead to social development.’ Draw upon the author’s argument to support or refute the statement.

‘आर्थिक विकास अनिवार्य रूप से सामाजिक विकास की ओर प्रवृत्त नहीं करता है ।’ इस कथन के समर्थन या खंडन में लेखक के तर्क प्रस्तुत कीजिए ।

3. Explain in your own words why there was no equity in the post-reform performance.

सुधार-उत्तर काल की निष्पत्ति में कोई समता क्यों नहीं थी, अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए ।

4. There is complementarity between growth and equity. Bring out the idea, the author has tried to put forward. Suggest your ideas to take the argument further.

‘अभिवृद्धि और समता के बीच पूरकता है ।’ इस कथन में लेखक क्या कहना चाहता है उसे उजागर कीजिए । इस तर्क को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार बताइए ।

5. Give an appropriate title to the paragraph with proper justification.

उचित औचित्य दर्शाते हुए परिच्छेद का उपयुक्त शीर्षक दीजिए ।

SECTION – II

खण्ड – II

Note : This section contains **fifteen (15)** questions, each to be answered in about **thirty (30)** words. Each question carries **five (5)** marks.

(15 × 5 = 75 Marks)

नोट : इस खंड में **पाँच-पाँच (5-5)** अंकों के **पंद्रह (15)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(15 × 5 = 75 अंक)

6. Examine the social aspects of old-old and young-old.

वृद्ध-वृद्ध एवं युवा-वृद्ध के सामाजिक पहलुओं का परीक्षण कीजिए ।

7. Highlight the requirements of registering an organisation under Societies' Registration Act, 1860.

सोसाइटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अंतर्गत संगठन को पंजीकृत करने की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए ।

8. Highlight the contribution of Jyothiba Phule.

ज्योतिबा फूले के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

9. Explain the role of ASHAs in the community.

समुदाय में ASHAs के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

10. Compare Focus Group Discussions and Social Survey.

फोकस ग्रुप चर्चाओं एवं सामाजिक सर्वेक्षण की तुलना कीजिए ।

11. What are the functions of Social Case Worker in correctional setting ?

सुधारात्मक प्रतिवेश में सामाजिक वैयक्तिक कार्यकर्त्ता के कार्य क्या हैं ?

12. Enlist the major features of the National Rural Employment Guarantee Programme.

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी कार्यक्रम की मुख्य विशेषताओं को सूचीबद्ध कीजिए ।

13. Highlight the characteristics of task oriented group.

कार्य अभिमुखी समूह की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

14. Explain the characteristics of a Women's SHG.

महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए ।

15. Cyclical theory explains process of change adequately. Justify.

'चक्रीय सिद्धान्त परिवर्तन की प्रक्रिया को समोचित रूप से स्पष्ट करता है ।' कारण प्रस्तुत कीजिए ।

16. Explain crisis intervention.

संकट हस्तक्षेप की व्याख्या कीजिए ।

17. Enumerate stages of group development.

समूह के विकास की अवस्थाओं की गणना कीजिए ।

18. Describe the three basic dimensions of HDI.

एच.डी.आई. के तीन मूलभूत आयामों की व्याख्या कीजिए ।

19. What is micro finance ?

व्यष्टि वित्त क्या है ?

20. Explain the concept of conscientisation.

जनसंचेतना की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

SECTION – III

खण्ड – III

Note : This section contains **five (5)** questions from each of the electives/specialisations. The candidate has to choose only **one** elective/specialisation and answer all the **five** questions from it. Each question carries **twelve** (**12**) marks and is to be answered in about **two hundred** (**200**) words. **(5 × 12 = 60 Marks)**

नोट : इस खण्ड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **पाँच (5)** प्रश्न हैं । अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से **पाँचों** प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **बारह (12)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **दो सौ (200)** शब्दों में अपेक्षित है ।

(5 × 12 = 60 अंक)

Elective-I

ऐच्छिक-I

21. Discuss the relevance of the different approaches to Labour Welfare in the context of globalization.

वैश्वीकरण के सन्दर्भ में श्रम कल्याण के विभिन्न अभिगमों की प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए ।

22. "In the era of globalization, Labour Legislation needs changes." Substantiate.

"वैश्वीकरण के युग में श्रम कानूनों में परिवर्तनों की जरूरत है ।" सिद्ध कीजिए ।

23. Discuss the salient features of Provident Fund Act, 1952.

भविष्य निधि अधिनियम, 1952 की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए ।

24. What are the administrative structure brought under ESI Act, 1948 ? Examine its current relevance.

ई.एस.आई. अधिनियम, 1948 का प्रशासनिक ढाँचा क्या है ? उसकी वर्तमान में प्रासंगिकता की परीक्षा कीजिए ।

25. "The position of Labour Welfare Officer in Industry is redundant." Comment.

"उद्योग में श्रम कल्याण अधिकारी का पद अनावश्यक है ।" टिप्पणी करें ।

OR/अथवा

Elective-II
ऐच्छिक-II

21. What are the recommendations of the Health Survey and Development (Bhure) Committee 1943, related to training of medico-social workers ?

मैडिकल-समाज कार्यकर्त्ताओं के प्रशिक्षण से सम्बन्धित स्वास्थ्य सर्वेक्षण एवं विकास (भूरे) समिति, 1943 की सिफारिशें क्या हैं ?

22. Explain the salient features of the National Rural Health Mission (NRHM). What are the major features of the NRHM that can bring about equity in Rural India ?

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की मुख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए । इस मिशन की कौन सी विशेषताएँ हैं जो ग्रामीण भारत में समता ला सकती हैं ?

23. Work out a module of a health education programme at a maternity ward in a General Hospital.

जनरल अस्पताल में प्रसूति रोगी कक्ष के लिए स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम मोड्युल तैयार कीजिए ।

24. Discuss the human rights issues related to the certification of persons admitted to residential mental health institutions.

आवासीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों में दाखिल व्यक्तियों के प्रमाणीकरण से सम्बन्धित मानवाधिकार मुद्दों की विवेचना कीजिए ।

25. State the relevance of the directives of the Alma Ata resolution to the current health care.

वर्तमान स्वास्थ्य की देखभाल के लिए अल्मा आटा प्रस्ताव के निर्देशों की प्रासंगिकता बताइए ।

OR/अथवा

Elective-III
ऐच्छिक-III

21. Critically elaborate on the mechanisms involved in promoting people's participation.

लोगों की सहभागिता बढ़ाने से जुड़ी क्रियाविधियों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

22. What is integrated child protection scheme ? Critically examine the major features of the scheme.

एकीकृत बाल संरक्षण योजना क्या है ? इस योजना की मुख्य विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए ।

23. Critically examine the major environmental challenges faced by urban communities and suggest measures to overcome them.

नगरीय समुदायों को जिन मुख्य पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ता है उनका आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए और उन पर काबू पाने के लिए उपाय बताइए ।

24. What is sustainable development ? Critically bring out people's participation in achieving sustainable development.

वहनीय विकास क्या है ? वहनीय विकास प्राप्त करने में लोगों की सहभागिता को आलोचनात्मक रूप से स्पष्ट कीजिए ।

25. List out different models of community development and discuss any two of them.

सामुदायिक विकास के विभिन्न मॉडलों को सूचीबद्ध कीजिए और उनमें से किन्हीं दो की विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Elective-IV

ऐच्छिक-IV

21. Analyse the reasons for marital break-down in Contemporary India.

समकालीन भारत में विवाह विच्छेद के कारणों का विश्लेषण कीजिए ।

22. Examine the concerns related to the elderly parents of Non-Resident Indians. Suggest suitable support systems.

गैर-निवासी भारतीयों के बुजुर्ग अभिभावकों से जुड़ी समस्याओं की परीक्षा कीजिए और उपयुक्त सहायता व्यवस्थाओं का सुझाव दीजिए ।

23. Critically examine the future prospects of the family in the context of its functions being increasingly taken over by other agencies.

परिवार के कार्य अन्य एजेन्सियों को ज्यादा से ज्यादा हस्तांतरित होते जा रहे हैं, इस सन्दर्भ में परिवार की भावी प्रत्याशाओं की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

24. Examine the reasons contributing the adverse sex ratio in India. Suggest remedial measures.

भारत में प्रतिकूल लिंग अनुपात में योगदान देने वाले कारणों की परीक्षा कीजिए । इसके लिए उपचारी उपाय बताइए ।

25. Discuss briefly the contribution of CSR (Corporate Social Responsibility) to Urban Community Development.

नगरीय सामुदायिक विकास के प्रति कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के योगदान की संक्षेप में विवेचना कीजिए ।

OR/अथवा

Elective-V

ऐच्छिक-V

21. What are the limitations of deterrence as form of punishment ?

दण्ड के रूप में भयोपरति की परिसीमाएँ क्या हैं ?

22. Critically evaluate the contributions of classical thinkers about crime in current context.

वर्तमान सन्दर्भ में अपराध के बारे में क्लासीकीय (शास्त्रीय) विचारकों के योगदानों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए ।

23. Explain the theory of differential association and using out its relevance in explaining criminal behaviour in the contemporary society.

विभेदक साहचर्य सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए और समकालीन समाज में आपराधिक व्यवहार स्पष्ट करने में उसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट कीजिए ।

24. Critically examine the factors responsible to the rise of delinquency among school children.

विद्यालयी बच्चों में बाल अपराध बढ़ने के लिए जिम्मेदार कारकों की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

25. What should be the part played by social worker in tackling white-collar crimes ?

सफेद-पोश, अपराध से मुकाबला करने में समाजिक कार्यकर्त्ता की भूमिका क्या होनी चाहिए ?

SECTION – IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of **forty** (**40**) marks to be answered in about one **thousand** (**1000**) words on any **one** of the following topics.

(1 × 40 = 40 Marks)

नोट : इस खण्ड में एक **चालीस (40)** अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल **एक** पर, लगभग **एक हजार (1000)** शब्दों में अपेक्षित है । **(1 × 40 = 40 अंक)**

26. Critically bring out the role of social work in realizing the objectives of the National Rural Employment Guarantee Programme.

नेशनल रूरल इम्पलॉयमेन्ट गारंटी कार्यक्रम के उद्देश्यों की प्राप्ति में समाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

OR/अथवा

Design a social work intervention programme with a focus on mental health, restoration and resettlement in the context of a natural disaster.

प्राकृतिक आपदा के संदर्भ में मानसिक स्वास्थ्य, पुन:स्थापन एवं पुनर्वास पर केन्द्रित एक समाजकार्य हस्तक्षेप कार्यक्रम की रचना कीजिए ।

OR/अथवा

Discuss the impact of Globalization on Indian Family. Suggest appropriate social work intervention strategies to deal with these changes.

भारतीय परिवार पर वैश्वीकरण के प्रभाव का वर्णन कीजिए । इन परिवर्तनों से निपटने के लिए उचित समाज कार्य हस्तक्षेप रणनीतियों के संबंध में सुझाव दीजिए ।

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....